'मेट्रो 3' का 79 फीसदी काम पूरा

रिपोर्ट में आरे कारशेड के काम का कोई जिक्र नहीं

महानगर संवाददाता

मुंबई

'कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज' (मेट्रो 3) के काम में तेजी लाइ गई है। इसके 33.5 किमी लंबे मार्ग का काम अब तक 79 प्रतिशत पूरा हो चुका है। वहीं, आरे-बीकेसी के पहले चरण का 84 फीसदी और बीकेसी-कफ परेड के दूसरे चरण का 75.6 फीसदी काम पूरा हो चुका है। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एमएमआरसी) 'मेट्रो 3' का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है और वह इस मेट्रो को जल्द से जल्द सेवा में लाने की कोशिश कर रही है। 31 जनवरी 2023 तक 'मेट्रो 3' की कार्य समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार कुल परियोजना का 79 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इस रूट का काम दो चरणों में चल रहा है। एमएमआरसी का लक्ष्य है कि आरे-बीकेसी के पहले चरण का काम दिसंबर 2023 में पूरा हो जाए। इसलिए इस चरण का काम तेजी से चल रहा है और अब तक इस चरण का 84 फीसदी काम पूरा हो चुका है। कार्य समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार कुल परियोजना का 90.6 प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है। सिस्टम का 46.1 फीसदी, ट्रैक का 53.8 फीसदी, स्टेशनों का 88.3 फीसदी काम पूरा हो चुका है। भूमि सुधार का काम शत प्रतिशत पूरा हो चुका है। जबकि स्टेशन और टनल का 97.1 फीसदी, सिस्टम का 59.1 फीसदी और ट्रैक का 70.6 फीसदी काम पूरा हो चुका है। इस बीच, बीकेसी-कफ परेड के दूसरे चरण का 75.6 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसमें से मेट्रो स्टेशन और टनल का 94.5 फीसदी, ट्रैक का 44.2 फीसदी और सिस्टम का 39.6 फीसदी काम पूरा हो चुका है। कुल मिलाकर 'मेट्रो 3' रूट का निर्माण तेज गति से चल रहा है। लेकिन एमएमआरसी की रिपोर्ट में कारशेड के काम का कोई जिक्र नहीं है। कारशेड मेट्रो मार्ग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। बिना कारशेड के मेट्रो शुरू नहीं हो सकती। इसलिए आरे में कार शेड का काम पूरा करने की एक बड़ी चुनौती एमएमआरसी के सामने है।